

Prof. Pankaj K. Gupta

Assistant Professor (Economics)

R.B.G.R. College, Maharajganj

TBC-I Economics (Hons.)

Paper-I Micro Economics

Module IV - Market Structure & Pricing

Topic - Price determination under Collusive Oligopoly - Market Division

Cartel Model - PART-II

समझौता अल्पाधिकार में कीमत निर्धारण - बाजार विभाजन कार्टेल मॉडल - II

(B) 'बाजार विभाजन' कार्टेल मॉडल (Market Division Cartel Model:-

इस प्रकार के कार्टेल मॉडल में कुछ कम कार्य हस्तान्तरित किये जाते हैं। मान ले कि उद्योग में केवल दो फर्म हैं जो एकसमान लागत पर एकसमान उत्पादन कर रही हैं। ऐसी दशा में वे बाजार को आधा बाँट लेगी।

चित्र में, DD' वक्र उद्योग के माँग वक्र को तथा dd' फर्म में माँग वक्र को बताता है। प्रत्येक फर्म का सीमान्त आगम वक्र MR द्वारा दिखाया गया है। फर्म के लिए संतुलन E बिन्दु पर

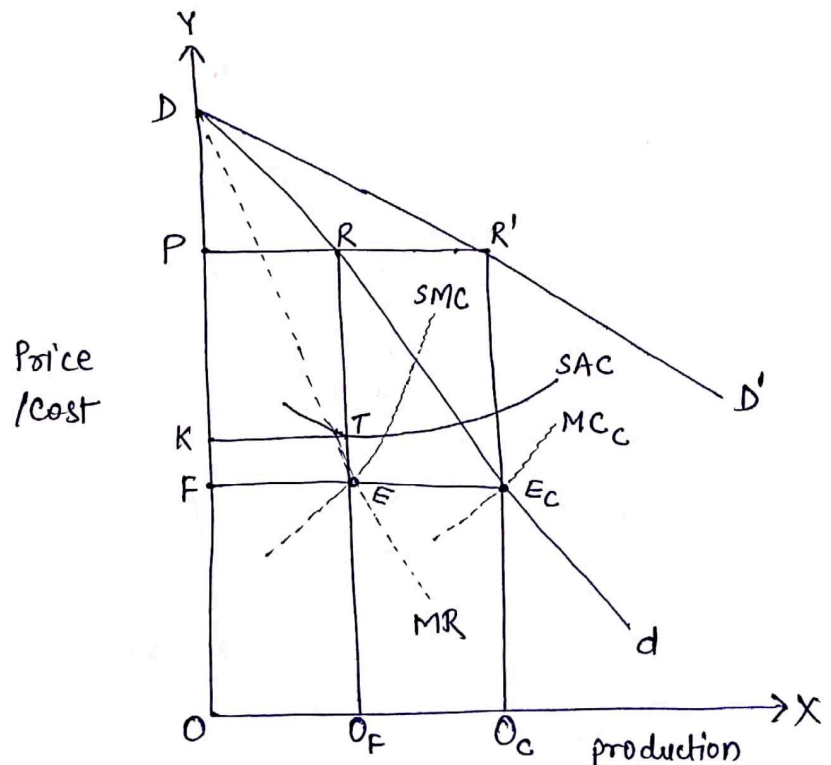


Figure - Market Division Cartel

मिलेगा तथा ऐसी दशा में प्रत्येक फर्म OP कीमत पर OQ_f मात्रा का उत्पादन करेगी। चित्र में, $OQ_f = \frac{1}{2} OQ_c$

OQ_f मात्रा पर प्रत्येक फर्म का लाभ $KTRP$ के बराबर होगा। दोनों फर्म मिलकर उद्योग के लिए OQ_c मात्रा का उत्पादन करेगी। (उद्योग का संतुलन बिंदु E_c पर दिखाया गया है।) तथा बाजार कीमत $R'Q_c$ (अथवा OP) होगी।

उपर्युक्त मॉडल की व्याख्या में बाजार का बराबर विभाजन मूल लिया गया है जो सदैव आवश्यक नहीं। यह सम्भावना है कि उद्योग में दोनों फर्म निम्न-2 आकार एवं क्षमता वाली हों। ऐसी दशा में बड़े आकार एवं ऊँची क्षमता वाली फर्म बाजार के एक बड़े भाग पर अपना अधिकार करने में सफल हो जाएगी। साथ ही साथ फर्म का स्थानीयकरण भी फर्म के बाजार विभाजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

क्रमशः

Pauley